>

Title: Need to given compensation to the families of labour died and injured in Leh-Ladakh.

श्रीमती कमला देवी पटले (जांजगीर-चम्पा): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपके पूर्ति धन्यवाद व्यक्त करती हूं।

मैं सदन का ध्यान तेह में हुई भरांकर प्राकृतिक त्रासदी की ओर दिलाना चाहती हूं। आपदा की भरावहता इसी से पता लगती है कि तेह में बादल फटने से हवाई अड्डा, स्कूल, दपतर एवं गांव के गांव बह गए। कुछ भी नहीं बचा हैं। हजारों जानें गई हैं। हजारों घायल हैं तथा हजारों तापता हैं। इतनी भरांकर तबाही हुई है कि दूर-दराज के इलाकों में राहतकर्मियों को पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हैं। सड़कें पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं।

महोदय, छत्तीसगढ़ राज्य के काफी मजदूर वहां कमाने-खाने गए हुए थें। मेरे संसदीय क्षेत्र जांजगीर-चाम्पा जिले के, यानी एक ही जिले के 22 मजदूर मारे गए हैं, जिनकी शिनास्त्त की जा चुकी हैं। 26 लोग घायल हैं और 44 लोग लापता हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहती हूं कि जो मृतक हैं, उनके परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए, घायलों के इलाज के लिए सरकार धन मुहैया कराए तथा लापता लोगों की खोज कराई जाए और उनकी वहां से छत्तीसगढ़ वापसी की व्यवस्था शासन द्वारा कराई जाए।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देती हूं।

MR. CHAIRMAN: The House now stands adjourned to meet tomorrow at 11.00 a.m.

19.36 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Thursday, August 12, 2010, Sravana 21, 1932 (Saka).

- * Not recorded.

- * Not recorded.
- * Not recorded.
- * Not recorded.
- * Not recorded.
- * English translation of the Speech originally delivered in Bengali.
- * Speech was laid on the Table.
- * Not recorded.
- * Not recorded.
- * Not recorded.
- * Not recorded.
- * Not recorded.